Regarding flood and land erosion caused by Ganga and Phulhar rivers in Maldaha Uttar Parliamentary Constituency- laid

श्री खगेन मुर्मु (माल्दहा उत्तर): मै भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की महत्त्वाकांक्षी योजना " नदी जोडो अभियान " को बढ़ाने के लिये आदरणीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जी एंव जल संसाधन मन्त्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं । आपने जल मार्गों का विकास करते हुये व्यापारियों, किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है । जल संसाधनों का उपयोग करते हुये किसानों की आय बढ़ी है और देश सूखे और अकाल की स्थिति से उबर चुका है । इसके लिये मैं अपने क्षेत्र की जनता की ओर से आपको बार बार साधुवाद देता हूं । मै पश्चिम बंगाल के मालदा उत्तर लोक सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं और अपने क्षेत्र की नदियों के कारण हो रहे कटान और बाढ़ की समस्या की ओर माननीय जल संसाधन मन्त्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । नालदा जिले का अधिकांश भाग गंगा और फुल्हर नदियों के किनारे बसा हुआ है । इन नदियों के कटान के कारण हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन नदियों में समा चुकी है । इसके अलावा रिहायशी गांवों महान्दा टोला, भिलाईमारी, कहला, देवीपुर, उत्तर-दक्षिण भकुरिया इत्यादि का अस्तित्व समाप्त हो चुका है । यही स्थिति ग्राम पंचायत जंजाली टोला, खास्साबरना, रामायणपुर, रोहीमारी इत्यादि गांवों की भी है । मेरे संसदीय क्षेत्र की जनता गंगा और फुल्हेरा की कटान और बाढ़ दोनो से ग्रसित है । उपजाऊ जमीने नदियों में विलीन हो रही हैं । मैने बार बार केन्द्र और राज्य सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया है, पर इस पर कोई ठोस कार्यवाही नही हो पायी है । मैं आग्रह करूंगा कि कटान से बचाव के लिये ठोस कार्ययोजना बनायी जाये । बाढ़ से बचाव हेतु नदियों के किनारे तटबन्ध बनाये जायें । कटान से पीड़ित लोगों को मुआवजा दिया जाये और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाये । इसका आकलन करने के लिये केन्द्र सरकार के अधिकारियों की टीम भेजी जाये । केन्द्री य जल आयोग का एक कार्यालय मालदा में खोला जाये जो सक्रिय होकर इस दिशा में ठोस कार्य करे ।